# नवभारत e-Conclave | मिलिए सुभाष देसाई, चंद्रकांत सालुंखे, सागर भोसले और उज्वल कोठारी से नवभारत फेसबुक लाइव पर रात 8 बजे

**Ritu Tripathi**
सब-एडिटर | नवभारत.कॉम

**मुंबई.** आज रात 8 बजे हमारे साथ नवभारत के **ई-कॉन्क्लेव कार्यक्रम** में सुभाष देसाई ( महाराष्ट्र सरकार के शिवसेना नेता और उद्योग व खनन मंत्री), चंद्रकांत सालुंखे ( एसएमइ चैम्बर ऑफ़ इंडिया के संस्थापक), सागर भोसले (अध्यक्ष श्मेरसल इंडिया प्रा.लि के प्रबंध संचालक) और उज्वल एस कोठारी (कोठारी ग्रुप के सह संस्थापक एवं प्रबंध संचालक) भारतीय औद्योगिक क्षेत्र पर हमसे चर्चा करेंगे। साथ ही "भविष्य के हितधारकों और विकास के अवसरों" विषय पर मत प्रस्तुत करेंगे। आप इनसे नवभारत के फेसबुक पेज **( https://www.facebook.com/enavabharat)** के माध्यम से जुड़ सकते है।

आज ई-कॉन्क्लेव कार्यक्रम में हमारे पहले अतिथि है **सुभाष देसाई** जो महाराष्ट्र से शिवसेना के एक नेता सहित महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी हैं। उन्होंने 1990, 2004 और 2009 में गोरेगांव (विधानसभा क्षेत्र) का प्रतिनिधित्व किया था। 5 दिसंबर 2014 को सुभाष देसाई ने शिवसेना और B.J.P की सरकार में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। वह फिलहाल महाराष्ट्र के उद्योग व खनन मंत्री हैं। सुभाष देसाई शुरू से ही मुंबई में शिवसेना का एक महत्वपूर्ण चेहरा रहे हैं।

गोरेगांव में, जिसे समाजवादी नेता मृणाल गोरे के गोरेगांव के रूप में जाना जाता था, सुभाष देसाई ने शिवसेना को जड़ दिया। हालांकि उनके पास एकनाथ शिंदे जैसा व्यापक आधार नहीं है, लेकिन संगठनात्मक निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। देसाई पहली बार 1990 में विधायक चुने गए थे। वह 2004 और 2009 में गोरेगांव निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में फिर से चुने गए। 2014 में देसाई को एक झटका लगा, लेकिन उन्हें फड़नवीस सरकार में उद्योग मंत्रालय की बागडोर दी गई। देसाई को मुंबई के संरक्षक मंत्री का पद भी दिया गया था। 2015 में, सुभाष देसाई को विधान परिषद भेजा गया।

हमारे दूसरे अतिथि एसएमइ चैम्बर ऑफ़ इंडिया के संस्थापक **चंद्रकांत सालुंके** है। सालुंके 1991 में मुंबई में स्थापित मैक्रो ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के संस्थापक और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं। यह समूह पैकेजिंग मशीनरी, उपकरण और औद्योगिक उत्पादों के विनिर्माण में शामिल है। ग्रुप एक्सपोर्ट्स, मार्केटिंग, डिस्ट्रिब्यूशन और फ्रैंचाइज़िंग के साथ-साथ कैपिटल गुड्स, न्यू टेक्नोलॉजी, इनोवेटिव और इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स के आयात में भी शामिल है। उन्होंने विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लघु और मध्यम उद्यमियों को एकीकृत करने के लिए निम्नलिखित संगठनों की

भी स्थापना की है। इन संगठनों का उद्देश्य व्यवसाय वृद्धि और विस्तार के लिए विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों की सहायता करना है। वह उद्योग और एसएमई क्षेत्र के मुद्दों और समस्याओं को हल करने के लिए लगातार प्रयास करता है।

संगठन: एसएमई चैंबर ऑफ इंडिया, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (व्यापार और निवेश संवर्धन संगठन), वर्ल्ड एसएमई ट्रेड सेंटर, पैकेजिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया (PIAI), महाराष्ट्र औद्योगिक और आर्थिक विकास संघ (MIEDA), एसएमई बिजनेस फोरम, भारत एसएमई लीडरशिप काउंसिल, स्टार्ट-अप्स काउंसिल ऑफ इंडिया, भारत – जापान एसएमई बिजनेस काउंसिल, एसएमई बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, एसएमई निर्यात संवर्धन परिषद, एनआरआई बिजनेस सपोर्ट सेंटर, महिला उद्यमी विकास परिषद, एसएमई प्रौद्योगिकी विकास परिषद, SME कनेक्ट – पोर्टल और पत्रिका

उनके नेतृत्व में, उपरोक्त संगठन उद्योग और एसएमई, निवेश, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और नए व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने के साथ-साथ ज्ञान और शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों का आयोजन हुआ हैं। वह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और सेमिनारों में वक्ता रहे हैं, एसएमई पर जी -20 सम्मेलन, यूरोपीय आयोग द्वारा एसएमई विधानसभा, मलेशिया सरकार के एसएमई और उद्योग सम्मेलन, तुर्की सरकार के सीसीपीआईटी-चीन, यूके, कनाडाई और संयुक्त राज्य अमेरिका संघों सहित उन्होंने एसएमई सेक्टर, विनिर्माण, वित्त, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पैकेजिंग उद्योग और युवा उद्यमियों /

स्टार्ट-अप्स पर कागजात प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने भारतीय और विदेशी उद्यमियों और एसएमई, निवेशकों, सरकारी एजेंसियों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और यूके, यूएसए, यूरोप, कनाडा, चीन, दक्षिण कोरिया, जापान से अन्य उद्योगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए विभिन्न द्वि-पार्श्व व्यापार संवर्धन प्रभागों की भी शुरुआत की है। उन्होंने उद्योग, वित्त और एसएमई क्षेत्र पर इनपुट देने के लिए विभिन्न सरकारी समितियों, अध्ययन समूहों, उप-समितियों और पैनलों का प्रतिनिधित्व भी किया है।

हमारे तीसरे अतिथि श्मेरसल  इंडिया प्रा.लि के प्रबंध संचालक **सागर भोसले** हैं। इन्हें इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन इंडस्ट्री में 25 से अधिक वर्षों का कुल कार्य अनुभव हैं। उन्होंने भारत में एक नई कंपनी की स्थापना की चुनौती लेने के लिए एक अपरंपरागत कदम उठाया था। एक संस्थापक सदस्य के रूप में वह श्मेरसल  इंडिया प्रा.लि से 13 वर्षों से जुड़े हैं। उनके नेतृत्व में श्मेरसल  इंडिया ने बिक्री में न केवल उत्पादों में बल्कि सर्विसेज डिवीजन में भी तेजी से दोहरे अंकों की वृद्धि देखी, जो अब व्यापार का एक स्थापित हिस्सा है। एक लीडर के रूप में उनकी दृष्टि ब्रांड उपस्थिति को मजबूत करने, सेवा और उत्पाद पोर्टफोलियो को बढ़ाने की है। उनका दृढ़ता से मानना है कि एक लीडर के रूप में विकसित होने के लिए लगातार नई चीजों को सीखना और नई अवधारणाओं पर काम करना होता है।

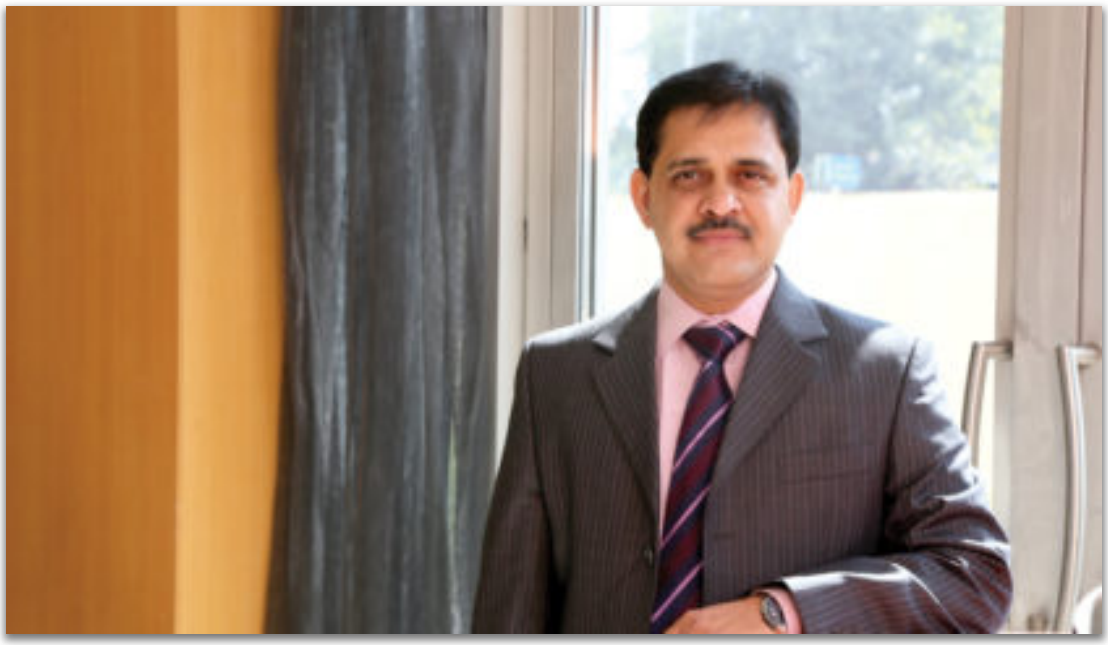

सागर भोसले की कुछ विशेषताओं से हम आपको रूबरू करवाना चाहते है। उन्होंने  भारत में एमएनसी के लिए ग्रीनफील्ड संचालन स्थापित किया हैं। भोसले प्रत्यक्ष और चैनल बिक्री के माध्यम से इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन उत्पादों की मार्केटिंग और बिक्री का व्यापक अनुभव

रखते हैं। त्वरित निर्णय लेने के लिए वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करने की क्षमता भी है उनमे। उनमे एक संपूर्ण टीम बनाने की क्षमता, उन्हें एकजुट इकाई में विकसित करने के लिए लगातार प्रशिक्षित और प्रेरित करने की ताकत हैं।

हमारे चौथे अतिथि कोठारी ग्रुप के सह संस्थापक एवं प्रबंध संचालक **उज्जवल एस कोठारी** हैं। वह शिवाजी विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक हैं। वह कोठारी ग्रुप में खरीद, तकनीकी देखते है। देश में कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के जुनून के साथ, कोठारी समूह, आज किसानों के सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है। उद्योग में सबसे उन्नत बुनियादी ढाँचे में से एक, हर छोटी से छोटी बारीकियों की कड़ी नज़र, निर्दोष गुणवत्ता, सोच-समझकर किया गया अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और किसानों को सबसे ज़्यादा पसंद करने वाला मिशन, इस कंपनी ने थोड़े समय के भीतर अपने मुकाम को हासिल कर लिया है।

भारत में महाराष्ट्र राज्य के सोलापुर जिले में अपने सुपर उन्नत, उच्च प्रौद्योगिकी संयंत्रों के साथ, कोठारी समूह देश भर के किसानों को डीलरों, वितरकों और कंपनी के प्रतिनिधियों की एक पेशेवर और वफादार श्रृंखला के साथ पूरा करता है। समूह मुख्य रूप से तीन डोमेन यानी सिंचाई, पाइप और केबल में परामर्श प्रदान करता है और साथ ही साथ अत्यधिक शुद्धता के साथ निर्मित उत्पादों का संचालन करता है। आज चारों अतिथि “भविष्य के हितधारकों और विकास के अवसरों” पर हमारे श्रोताओं को जानकारी देंगे।